लू के थपेड़ों के बीच बारिश देगी राहत

मौसम विज्ञान विभाग ने जारी किया अलर्ट, हीटवेव के बाद उत्तर और मध्य भारत में बारिश की संभावना

नई दिल्ली,25 अप्रैल. भारत मौसम विज्ञान विभाग के ताजा अपडेट के अनुसार, अगले तीन दिनों तक हीटवेव का असर जारी रहेगा, लेकिन इसके बाद मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

विभाग ने संकेत दिया है कि उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश समेत कई राज्यों में बारिश होने की संभावना है, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी।देशभर में गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है और उत्तर भारत के कई हिस्से इस समय भीषण हीटवेव की चपेट में हैं. भारत मौसम विज्ञान विभाग के

अनुसार, उत्तर और मध्य भारत के अधिकांश क्षेत्रों में अगले तीन दिनों तक लू चलने की संभावना है। इस दौरान तापमान 40 से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रह सकता है।उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में अधिकतम तापमान 45.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो इस मौसम का अब तक का उच्चतम स्तर है. दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और बिहार जैसे राज्यों में भी तापमान सामान्य से काफी अधिक दर्ज किया गया है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है।

27 के बाद बदलेगा मौसम का मिजाज

आईएमडी के अनुसार, 27 अप्रैल के बाद से मौसम का मिजाज बदलने लगेगा और उत्तर भारत के कई राज्यों में बारिश की गतिविधियां शुरू होंगी. 27 से 30 अप्रैल के बीच पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और राजस्थान में गरज-चमक के साथ बारिश और तेज हवाओं की संभावना जताई गई है।वहीं, 28 से 30 अप्रैल के बीच उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है. जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के पहाड़ी क्षेत्रों में 25 से 28 अप्रैल के बीच बारिश और बर्फबारी हो सकती है, जिससे तापमान में गिरावट आएगी।इसके अलावा, पूर्वोत्तर भारत में भी मौसम सक्रिय रहेगा. असम और मेघालय में 60 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और भारी बारिश की संभावना जताई गई है. मध्य भारत के मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी 27 से 29 अप्रैल के बीच गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है.

उर्वरक पर सियासत खत्म, देश में भरपूर भंडार

नई दिल्ली 25 अप्रैल.उर्वरकों की कमी को लेकर उठ रही आशंकाओं के बीच केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और आपूर्ति मजबूत बनी हुई है.

सरकार के अनुसार, हाल ही में समाप्त हुए रबी सीजन 2025-26 के आंकड़े इस बात की पुष्टि करते

रबी के बाद भी मजबूत उर्वरक आपूर्ति का दावा

हैं कि सभी प्रमुख उर्वरकों की उपलब्धता मांग से काफी अधिक रही. न केवल रबी सीजन में बल्कि नए वित्त वर्ष की शुरुआत में भी उर्वरकों का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है, जो आने वाले खरीफ सीजन के लिए राहत का संकेत देता है. देश में उर्वरकों की उपलब्धता को लेकर उठ रही चिंताओं के बीच केंद्र सरकार ने स्थिति को पूरी तरह संतुलित और सुरक्षित बताया है. उर्वरक विभाग के ताजा आंकड़ों के अनुसार, रबी सीजन 2025-26 के दौरान सभी प्रमुख उर्वरकों की उपलब्धता उनकी वास्तविक आवश्यकता से काफी अधिक रही, जिससे किसी भी प्रकार की कमी की आशंका को खारिज किया गया है.

> सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, रबी सीजन के दौरान यूरिया की उपलब्धता 257.59 एलएमटी रही, जबकि इसकी आवश्यकता 196.06 एलएमटी थी. इसी तरह डीएपी, एमओपी, एनपीके और एसएसपी जैसे अन्य उर्वरकों में भी आपूर्ति मांग से अधिक दर्ज की गई. यह दर्शाता है कि देश में उर्वरक प्रबंधन और वितरण प्रणाली प्रभावी ढंग से काम कर रही है. चालू वित्त वर्ष 2026-27 की शुरुआत भी सकारात्मक संकेत दे रही है. अप्रैल 2026 के शुरुआती 23 दिनों के भीतर ही उर्वरकों का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है, जो खरीफ सीजन के लिए मजबूत आधार तैयार करता है. सरकार के अनुसार, खरीफ 2026 के लिए अनुमानित कुल आवश्यकता 390.54 एलएमटी है, जिसमें से लगभग 180 एलएमटी पहले ही स्टॉक में मौजूद है. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यूरिया की कीमतें 4,000 रुपये प्रति बोरी से अधिक पहुंचने के बावजूद भारत सरकार किसानों को मात्र 266.5 रुपये प्रति 45 किलोग्राम की दर से यूरिया उपलब्ध करा रही है.

भारत ने श्रीलंका को दी मेडिकल और सैन्य मदद

'आरोग्य मैत्री' पहल के तहत दो बीएचआईएसएम यूनिट क्यूब सौंपे

कोलंबो, 24 अप्रैल। भारत ने अपने पड़ोसी देश श्रीलंका के साथ संबंधों को और मजबूत करते हुए मानवीय सहायता और रक्षा सहयोग के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।'आरोग्य मैत्री' पहल के तहत भारत ने श्रीलंका को दो अत्याधुनिक बीएचआईएसएम मेडिकल यूनिट क्यूब सौंपे हैं, जो आपात स्थितियों में तुरंत चिकित्सा सहायता प्रदान करने में सक्षम हैं।

ये पोर्टेबल मेडिकल यूनिट एक साथ करीब 200 मरीजों के इलाज की क्षमता रखते हैं और इनमें जरूरी दवाइयों के साथ छोटे ऑपरेशन के लिए सर्जिकल

उपकरण भी मौजूद हैं। इस पहल का उद्देश्य आपदा या आपातकालीन स्थिति में त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।इसके साथ ही भारत ने समुद्री सुरक्षा सहयोग को मजबूत करते हुए श्रीलंका नौसेना को 50,000 राउंड नौ मिमी गोला-बारूद भी देने की घोषणा की है। यह कदम दोनों देशों के बीच रक्षा और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।यह सहायता भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस निरीक्षक के जरिए कोलंबो पहुंचाई गई, जो 21 अप्रैल को वहां पहुंचा था। यह जहाज भारत और श्रीलंका के बीच चल रहे चौथे द्विपक्षीय डाइविंग अभ्यास में भाग लेने के लिए भी तैनात है, जो 27 अप्रैल तक जारी रहेगा।

आज का इतिहास

1654- यहूदियों को ब्राजील से निकाला गया.
1755- रूस का पहला विश्वविद्यालय राजधानी मॉस्को में खोला गया.
1828- यूनान की आजादी के समर्थन में रूस की तुर्की के खिलाफ युद्ध की घोषणा.
1903- गांधी जी ने दक्षिण अफ्रीका में वकालत शुरू की और वहां ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन की स्थापना की.
1920- महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजम का निधन.
1959- क्यूबा ने पनामा पर आक्रमण किया.

एआई युग का डिजिटल गेटवे बनेगा जियो

बढ़ती डेटा खपत एआई आधारित सेवाओं की मजबूत नींव : आकाश अंबानी

मुंबई, 25 अप्रैल. रिलायंस इंडस्ट्रीज़ के ताज़ा नतीजों ने साफ संकेत दिया है कि कंपनी अब अपने अगले बड़े ग्रोथ फेज की ओर बढ़ रही है, जहां जियो सिर्फ टेलीकॉम नहीं बल्कि भारत का डिजिटल और गेटवे बनने की दिशा में काम कर रहा है.

कंपनी प्रबंधन के मुताबिक, जियो अब उस चरण में पहुंच चुका है जहां उसकी मजबूत कनेक्टिविटी और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर भविष्य में डेटा आधारित सेवाओं के विस्तार की नींव तैयार कर रही है. रिलायंस जियो इन्फोकॉम के चेयरमैन आकाश

अंबानी ने कहा कि जियो ने भारत को इंटरनेट युग से जोड़ा और अब 52 करोड़ 40 लाख से अधिक सब्सक्राइबर्स के साथ यह 'इंटेलिजेंस एरा' का डिजिटल गेटवे बनने की स्थिति में है. जियो की एडवांस कनेक्टिविटी और कंप्यूट इंफ्रास्ट्रक्चर के जरिए, डेटा सेवाएं देश के उपभोक्ताओं, घरों और व्यवसायों तक पहुंचेंगी. देश का सबसे बड़ा यूजर बेस और तेजी से बढ़ते 5प्रतिशत नेटवर्क के साथ, जियो का फोकस अब कनेक्टिविटी इंफ्रास्ट्रक्चर को और गहराई तक ले जाने पर है. जियोफाइबर और जियोएयरफाइबर को केवल ब्रॉडबैंड सेवा नहीं, बल्कि एक ऐसे कनेक्टिविटी टूल के रूप में देखा जा रहा है, जो घरों और छोटे व्यवसायों तक हाई-स्पीड इंटरनेट पहुंचाकर डिजिटल और AI सेवाओं के इस्तेमाल को बढ़ाएगा.

तस्कर की 50 लाख रुपये की सम्पत्ति फ्रीज

भीलवाड़ा, 25 अप्रैल. राजस्थान में भीलवाड़ा जिले के मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक तस्कर की करीब 50 लाख रुपये की चल-अचल संपत्ति को फ्रीज कर दिया है.पुलिस सूत्रों ने शनिवार को बताया कि भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी धर्मेन्द्र सिंह के निर्देश पर आरोपी लाभचन्द उर्फ लाभू (39) निवासी उमर (चित्तौड़गढ़) की वित्तीय जांच की. जांच में पाया गया कि आरोपी ने तस्करी के पैसों से पैतृक गांव में जमीन और एक ट्रैक्टर खरीदा था, जिनकी वर्तमान बाजार कीमत 50 लाख रुपये है.

डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरानी नेताओं की हत्या का किया समर्थन

ट्रंप ने इस संदेश को ट्रुथ सोशल पर साझा किया

वाशिंगटन, 25 अप्रैल. अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उनके देश के साथ समझौते के पक्ष में न होने वाले ईरानी नेताओं की हत्या का समर्थन किया है.

वाशिंगटन पोस्ट के स्तंभकार मार्क थीसेन ने एक्स पर एक संदेश पोस्ट किया, जिसमें कहा गया है कि जो ईरानी नेता अमेरिका के साथ समझौते के पक्ष में नहीं हैं, उनकी हत्या कर दी जानी चाहिए. बाद में ट्रंप ने इस संदेश को ट्रुथ सोशल पर साझा किया. थीसेन के संदेश में कहा गया, अगर ईरान में दो धड़े हैं, जिनमें से एक समझौता चाहता है और दूसरा नहीं, तो समझौता न चाहने वाले नेताओं को हमें मार देना चाहिए. श्री ट्रंप के इस संदेश को साझा किये जाने पर ईरान ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है. ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने इसे %गंभीर नैतिक पतन का प्रमाण% बताया. प्रवक्ता ने कहा कि इस प्रकार के संदेश का समर्थन यह दर्शाता है कि अमेरिका अपने घोषित मूल्यों से हटकर हिंसा और उग्रवाद को बढ़ावा दे रहा है. उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति ने ऐसे व्यक्ति का संदेश साझा किया है, जो खुले तौर पर उन लोगों की हत्या की बात कर रहा है जो समझौते के पक्ष में नहीं हैं. श्री बाघेई ने कहा कि जो देश कभी लोकतंत्र, स्वतंत्रता और मानवीय मूल्यों का प्रतीक माना जाता था, वह अब हिंसा और हत्या को बढ़ावा देता दिखाई दे रहा है.

किंग चार्ल्स III के साथ चर्चा करेंगे ट्रम्प

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह ब्रिटेन के किंग चार्ल्स III के अमेरिका के दौरे के दौरान उनके साथ उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) और ईरान के खिलाफ अमेरिकी अभियान से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे.श्री ट्रंप ने एक न्यूज एजेंसी को फ़ोन पर बताया, मैं हर चीज़ के बारे में बात करूँगा. मैं इस पर चर्चा करूँगा. वे मेरे दोस्त हैं, और वे बहुत अच्छे इंसान हैं. रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटेन का डिजिटल सेवा कर भी चर्चा के विषयों में शामिल होगा. गौरतलब है कि बकिंघम पैलेस ने 31 मार्च को घोषणा की थी कि किंग चार्ल्स और रानी कैमिला अप्रैल में अमेरिका की राजकीय यात्रा पर जाएँगे. श्री ट्रंप ने बताया कि ब्रिटेन का शाही जोड़ा 27 से 30 अप्रैल के बीच अमेरिकी दौरे पर रहेगा. सोमवार से शुरू हो रही किंग चार्ल्स की चार-दिवसीय राजकीय यात्रा, ब्रिटेन से अमेरिका की आज़ादी की 250वीं वर्षगांठ के अवसर पर होगी.

शेल कंपनियों के एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़

नई दिल्ली, 25 अप्रैल. दिल्ली पुलिस के बाहरी उत्तरी जिले की साइबर पुलिस ने म्यूल बैंक खातों और शेल कंपनियों के एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है. इस नेटवर्क का इस्तेमाल भारत और विदेशों में धोखाधड़ी के पैसे को ठिकाने लगाने और धन शोधन के लिए किया जाता था. आरोपी नेटवर्क ने कथित तौर पर मैसर्स मेसिट ट्रेडेक्स प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े एक ही बैंक खाते के माध्यम से महज आठ दिनों के भीतर 16 करोड़ रुपये से अधिक का लेन-देन किया. इस फर्म के डमी निदेशक के रूप में काम कर रहे सोनू कुमार और अमिंदर सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है।

यूरोपीय संघ मानक जेट ईंधन को वैकल्पिक ईंधनों से बदलने के लिए सिफारिशें तैयार कर रहा है-ईएएसए

मास्को, 25 अप्रैल. यूरोपीय संघ की विमानन सुरक्षा एजेंसी (ईएएसए) कमी होने की स्थिति में मानक यूरोपीय जेट ईंधन 'जेट ए-1' के विकल्प के तौर पर 'जेट ए' के इस्तेमाल की अनुमति देने के लिए सिफारिश करने पर विचार कर रहा है. नियामक ने रूस की न्यूज एजेंसी आरआईए नोवोस्ती को यह जानकारी दी. एजेंसी ने बताया कि फिलहाल इन सिफारिशों को जारी करने के लिए कोई समय-सीमा तय नहीं है.

ममता करती हैं वोट बैंक की राजनीति

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बंगाल दौरे पर टीएमसी पर हमला बोला

नवद्वीप (नदिया), 25 अप्रैल. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अपने पश्चिम बंगाल दौरे के दौरान तृणमूल कांग्रेस पर तीखा हमला बोला. उन्होंने दो-टूक शब्दों में कहा कि ममता दीदी ने सीएए का विरोध इसलिए किया, क्योंकि उन्हें चिंता थी कि अगर हिंदुओं की संख्या बढ़ गयी तो सड़कों पर इफ्तार कैसे होगा? बंगाल में अराजकता के लिए तृणमूल को जिम्मेदार ठहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पार्टी लोकतंत्र में विश्वास नहीं रखती।उन्होंने कहा कि मतदान के पहले चरण के दौरान इन लोगों ने भाजपा नेताओं और उम्मीदवारों पर हमला किया.हर किसी ने उनकी गुंडागर्दी देखी है.लेकिन जब चार मई को परिणाम आयेंगे तो तृणमूल के गुंडों को छिपने की जगह नहीं मिलेगी.बंगाल अब अराजकता स्वीकार नहीं करेगा.यह समय बंगाल को लूट के उस कलंक से मुक्त करने का है, जिसे कांग्रेस, कम्युनिस्टों और तृणमूल ने इसके माथे पर लगाया है.बंगाल की जनता ने डबल-इंजन सरकार चुनने का फैसला कर लिया है, जो दोगुनी गति से काम करेगी।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को नवद्वीप विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार श्रुति

शेखर गोस्वामी के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे.सीएम योगी ने पहले चरण की 152 सीटों पर रिकॉर्ड मतदान के लिए मतदाताओं को बधाई दी।उन्होंने कहा कि हर मतदाता ने बंगाल को आतंक, माफिया राज और भ्रष्टाचार से मुक्त करने, इसे भारत की पहचान के प्रतीक के रूप में फिर से स्थापित करने और भाजपा की डबल-इंजन सरकार लाने की आवश्यकता महसूस की है।मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 500 साल पहले चैतन्य महाप्रभु ने हरे कृष्ण, हरे राम... की मधुर धुन से दुनिया को आकर्षित कर वैश्विक मंच पर भारत की सनातन ध्वजा स्थापित करने का जो कार्य किया था, वही कार्य आज इस्कॉन के संन्यासी कर रहे हैं।उन्होंने आगे कहा कि यह संकट तृणमूल सरकार ने पैदा की है, जो आतंक, माफिया राज और भ्रष्टाचार का प्रतीक बन गयी है.भाजपा कार्यकर्ता संजय भौमिक की बेरहमी से हत्या कर दी गयी और तृणमूल के गुंडे खुलेआम घूम रहे हैं.बंगाल पर जमीन, रेत और पशु माफियाओं का कब्जा है.

पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव

बंगाल में घुसने वाले घुसपैठिए दूसरे राज्यों में फैल रहे हैं

कोलकाता, 25 अप्रैल. असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसका परिणाम देश के सभी पूर्वोत्तर राज्यों की सुरक्षा पर प्रभाव डालेगा. भाजपा के वरिष्ठ नेता बिस्वा सरमा ने कहा कि घुसपैठ जानी-मानी समस्या है, जो पश्चिम बंगाल को परेशान कर रही है.श्री सरमा ने कहा कि ये अवैध घुसपैठिये जो बेरोकटोक पश्चिम बंगाल की सीमा पार कर लेते हैं, वे अक्सर असम, त्रिपुरा और

झारखंड जैसे पड़ोसी राज्यों में फैल जाते हैं.इसके बावजूद, तृणमूल कांग्रेस सरकार इस बारे में कुछ नहीं करती।श्री सरमा के अनुसार, यह स्थिति देश की सुरक्षा, विशेष रूप से पूर्वोत्तर राज्यों की सुरक्षा को गंभीर खतरे में डालती है.उन्होंने कहा कि बंगाल की ममता बनर्जी सरकार अपनी वोट बैंक की राजनीति के कारण सीमा पर बाड़ लगाने (फेंसिंग) की परियोजना को जानबूझकर धीमा कर रही है. उन्होंने बताया कि नियोजित 456 किलोमीटर के हिस्से में से केवल 77 किलोमीटर के लिए ही जमीन उपलब्ध करायी गयी है, जिससे पड़ोसी राज्यों की तुलना में प्रगति धीमी है, जहां बाड़ लगाने का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है.आंकड़ों का हवाला देते हुए श्री सरमा ने कहा कि उत्तर दिनाजपुर और मालदा जैसे जिलों में मतदाताओं की संख्या में वृद्धि इसलिए हुई, क्योंकि बंगाल की तृणमूल सरकार ने घुसपैठियों को मतदान का अधिकार दे दिया था।श्री सरमा ने कहा कितृणमूल ऐसी पार्टी है, जो अपने फायदे के लिए घुसपैठियों और यहां तक कि सीमा पार तस्करी का सक्रिय रूप से समर्थन करती है. उन्होंने यह भी जोड़ा कि पिछले कुछ दशकों में पश्चिम बंगाल के सीमावर्ती जिलों में जनसांख्यिकीय स्वरूप (डेमोग्राफिक पैटर्न) काफी बदल गया है और ऐसे क्षेत्रों में मतदाताओं की संख्या में भारी वृद्धि को सीमा पार घुसपैठ से जोड़ा.

अमित शाह का बयान हिंसक

हुगली, पश्चिम बंगाल, 25 अप्रैल. पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण से पहले राजनीतिक माहौल बेहद गरमा गया है. हुगली में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के एक बयान पर कड़ी आपत्ति जताई है.ममता ने

कहा कि चुनाव के बाद लोगों को उल्टा लटकाने जैसी भाषा का इस्तेमाल करना पूरी तरह अस्वीकार्य है और यह एक गृह मंत्री के पद की गरिमा के खिलाफ है. उन्होंने साफ तौर पर ऐलान किया कि वह शाह के इस कथित हिंसक बयान के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगी।ममता बनर्जी ने कहा कि इस तरह की भाषा लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए खतरनाक है और इससे चुनावी माहौल प्रभावित होता है।मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि भाजपा का दबाव बनाने वाला रवैया बंगाल के मतदाताओं को प्रभावित नहीं कर पाएगा. उन्होंने कहा कि इस मानसिकता के साथ कोई भी पार्टी राज्य में जीत हासिल नहीं कर सकती।मुख्यमंत्री ने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह डर और दबाव की राजनीति के जरिए चुनाव जीतना चाहती है, लेकिन बंगाल की जनता इस तरह की रणनीति को स्वीकार नहीं करेगी.

गेहूं घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी

नयी दिल्ली, 25 अप्रैल. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पश्चिम बंगाल में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के तहत गेहूं घोटाले से जुड़े मामले में कोलकाता, बर्दवान और हाबरा स्थित नौ ठिकानों पर तलाशी ले रही है.

9 जगह की गई कार्रवाई

यह कार्रवाई निरंजन चंद्र साहा और अन्य आरोपियों से जुड़े आपूर्तिकर्ताओं तथा निर्यातकों के परिसरों पर की जा रही है. प्रवर्तन निदेशालय ने यह जांच धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत शुरू की है, जो पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा बशीरहाट थाने में दर्ज

प्राथमिकी के आधार पर की गयी है. यह मामला घोजाडांगा भूमि सीमा शुल्क केंद्र के उप आयुक्त की शिकायत पर दर्ज हुआ था, जिसमें कल्याणकारी योजनाओं के लिए निर्धारित गेहूं की बड़े पैमाने पर हेराफेरी का आरोप लगाया गया था.

> जांच एजेंसी के अनुसार, आरोपियों ने योजनाबद्ध तरीके से लाभार्थियों के लिए निर्धारित गेहूं को अवैध रूप से आपूर्ति श्रृंखला से बाहर निकालकर कम कीमत पर प्राप्त किया और फिर उसे खुले बाजार में ऊंची कीमत पर बेच दिया. इस प्रक्रिया में आपूर्तिकर्ताओं, अधिकृत वितरकों, डीलरों और बिचौलियों की मिलीभगत बतायी गयी है. जांच में यह भी सामने आया कि गेहूं की पहचान छिपाने के लिए भारतीय खाद्य निगम और राज्य सरकार केचिह्न वाले मूल बोरे हटाकर या उलटकर दोबारा भरे गये, ताकि उसकी वास्तविक उत्पत्ति छिपाई जा सके. इसके बाद इस गेहूं को वैध माल के रूप में दिखाकर खुले बाजार में बेचा गया या निर्यात किया गया, जिससे आरोपियों को अवैध लाभ हुआ और अपराध से अर्जित आय उत्पन्न हुई.

हरभजन के घर के बाहर 'गद्दार' लिखकर विरोध

चंडीगढ़ 25 अप्रैल. पंजाब की राजनीति में उस वक्त हलचल मच गई जब पूर्व क्रिकेटर और राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह के घर के बाहर विरोध प्रदर्शन किया गया। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जालंधर स्थित उनके आवास की दीवारों पर 'गद्दार' लिखकर अपना गुस्सा जाहिर किया।यह विरोध उस समय हुआ जब हरभजन सिंह समेत आप के सात सांसदों ने पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया। इस घटनाक्रम के बाद पार्टी समर्थकों में नाराजगी देखने को मिली और उन्होंने इसे 'जनादेश के साथ विश्वासघात' करार दिया।

मुलाकात | पीयूष गोयल ने टॉड मैक्ले का किया भव्य स्वागत

एफटीए से व्यापार, निवेश और नौकरियों को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली, 25 अप्रैल भारत और न्यूजीलैंड के बीच प्रस्तावित फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को लेकर कूटनीतिक और आर्थिक गतिविधि तेज हो गई है. इसी क्रम में भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा -न्यूजीलैंड के ट्रेड और इन्वेस्टमेंट मंत्री टॉड मैक्ले का भारत में गर्मजोशी से स्वागत किया.

यह मुलाकात 27 अप्रैल 2026 को होने वाली महत्वपूर्ण एफटीए साइनिंग से पहले हुई, जिसे दोनों देशों के आर्थिक संबंधों में एक नए अध्याय की शुरुआत माना जा रहा है. दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत में

व्यापार विस्तार, निवेश अवसर और बाजार पहुंच जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा हुई. इस प्रस्तावित समझौते से न केवल व्यापारिक बाधाएं कम होंगी, बल्कि दोनों देशों के कारोबारियों को नए अवसर भी मिलेंगे. न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री ने भी इस समझौते को दोनों देशों के लिए 'गेम चेंजर' बताया है. न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री ने पहले ही संकेत दे दिया था कि यह एफटीए उनके देश के लिए बेहद लाभकारी साबित होगा. खासतौर पर न्यूजीलैंड के एक्सपोर्टर्स को भारतीय बाजार में बेहतर पहुंच मिलेगी. वर्तमान में कई उत्पादों पर लगने वाले टैरिफ इस समझौते के बाद धीरे-धीरे कम किए जाएंगे, जिससे व्यापार अधिक प्रतिस्पर्धी और सहज बनेगा. इस समझौते का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि यह छोटे और मध्यम उद्योगों के लिए नए अवसर पैदा करेगा. न्यूजीलैंड की कंपनियां, खासकर मरीन टेक्नोलॉजी और विशेष इंजीनियरिंग उत्पाद बनाने वाली फर्म्स, भारतीय बाजार में अपनी उपस्थिति मजबूत कर सकेंगी. वहीं भारत को डेयरी, कृषि तकनीक और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का मौका मिलेगा. विशेषज्ञों के अनुसार, यह एफटीए न केवल व्यापार बढ़ाएगा बल्कि रोजगार सृजन, निवेश प्रवाह और तकनीकी सहयोग को भी गति देगा.